

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आबकारी आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

आबकारी अनुभाग

देहरादून: दिनांक 6 जनवरी, 2010।

विषय :- वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि निवर्तन में रखे जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 213/आठ-लेखा/बजट आगणन-331/2009-10 दिनांक 13 अक्टूबर, 2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आबकारी विभाग में वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान संख्या-08 के अन्तर्गत आबकारी मुख्यालय हेतु 03-अधिष्ठान के अन्तर्गत 48-महगाई वेतन मद में रुपये 80,000/- (रुपये अस्सी हजार मात्र) की धनराशि संलग्न बी0एम0-15 के अनुसार उपलब्ध व्ययों से व्यवहृत कर व्यय करने की राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. पुनर्विनियोग की जाने वाली धनराशि का उपयोग उसी निमित्त किया जाये जिस प्रयोजन से इसे स्वीकृति दी गई है तथा व्यय उसी मद में किया जाय, जिसमें यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक की अनुदान स0-08 लेखाशीर्षक-2039-राज्य उत्पादन शुल्क, 001-निर्देशन तथा प्रशासन, 00, 03-अधिष्ठान, 48-महगाई वेतन के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नाम में डाला जायेगा।

5. यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अर्द्धशासकीय संख्या: 473NP/XXVII(5)/2008 दिनांक 24.12.2009 के अन्तर्गत उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

डॉ० रणबीर सिंह
सचिव

संख्या 11 / XXIII / 2010 / 73 / 2009 तदुद्दिष्ट।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाथ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, माजरा, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
3. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड, सचिवालय घरिसर, देहरादून।
5. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(ओ० पी० तिवारी)
उप सचिव